प्रतिबोधक श्री पुष्करदास जी महाराज

उदयपुर (राज.)
सम्पर्क सूत्र : मो. 9414539289,
9413763863

एक सरल सरस व्यक्तित्व- परिचय

प्रतिबोधक **श्री पुष्करदासजी महाराज।** आपके परिवार में पत्नी, एक पुत्र व दो पुत्रियॉ हैं आप करीब **45 वर्षो** से आध्यात्मिक सेवा में निमग्न हैं। ये एक दुर्लभ कथा-व्यास हैं जो **श्रीमद्भागवत, श्री रामकथा, गौभागवत, नानीबाई का मायरा, गीता सत्संग, मीरा चरित्र, गोपी गीत, श्री सत्यनारायण कथा, सुन्दरकाण्ड, पाठ एवं प्रवचन, शिव पुराण** जैसी कथाओं को संगायक व मीमांसक हैं। आपकी शैली सहज, सरल, सर्वग्राह्य तथा सरस है। जिससे आज का युवा वर्ग एवं बुद्धिजीवी वर्ग ज्यादा प्रभावित है। व्यवहारिक पक्ष आपका प्रबल है इसलिए आपकी अलग पहचान है। आपकी कथाएं आडम्बरविहीन, भारी भरकम खर्च से मुक्त और सामाजिक रूढ़ियों के प्रति सुधारवादी सोच लिए हुए होती हैं। आपका कोई भी ट्रस्ट संस्था समिति एवं गौशाला नहीं है। कथा आपका व्यवसाय नहीं, कर्तव्य है। **राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात, उत्तराखाण्ड, छत्तीसगढ़, बिहार एवं सम्पूर्ण भारत** आपकी कथा-कौशल से सराबोर हुए हैं। आपकी कथाएं बड़े महानगरों से लेकर छोटी ढाणियों तक एक ही उच्च मानसिकता से सम्पन्न होती हैं। न कोई आडम्बर, न कोई दिखावा, न व्यवस्था का संकट, न शिष्यों की खटपट, ऐसे साधु पुरूष हैं प्रतिबोधक **श्री पुष्करदासजी महाराज।** आप **महाराजजी का कार्यक्रम** YouTube पर भी देख सकते हैं।

-प्रतिबोध परिवार एवं प्रबंधक

श्री पुष्करदासजी महाराज की कथा का विशेष उद्देश्य

- कथा में दिखावटी खर्च कम से कम हो एवं कार्यक्रम बढ़िया से बढ़िया हो।
- कथा सत्संग सबके लिए सुलभ हो एवं सामान्य व्यक्ति भी आयोजन करवा सके।
- जीवन में शास्त्र एवं कथाओं का सही तत्वार्थ समझना एवं घर परिवार में शांति प्राप्त करना।
- **आज के समय की मांग के अनुसार परिवार की समस्याओं का समाधान करना।**
- पुरानी परम्परा, रूढिवादिता, आडम्बर को छोड़ कर सही दिशा में चलना।